प्रमुख घटनाएं और उपलब्धियां

(दिसंबर, 2018)

*****

प्रमुख घटनाएं एवं उपलब्धियां

1. राज्य सभा में दिनांक 31.12.2018 को संबद्ध एवं स्वास्थ्य परिचर्या व्यावसायिक विधेयक, 2018 प्रस्तुत किया गया।
2. मंत्रालय आयुष्मान भारत के कार्यान्वयन में तेजी से प्रगति कर रहा है। 23 सितंबर को स्कीम शुरू करने से लेकर अब तक 15 जनवरी तक पीएमजेएवाई के तहत कुल 8,40,672 लाभार्थियों ने परिचर्या प्राप्त की है। व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों के परिचालन के संबंध में, लगभग 5475 एचडब्ल्यूसी को कार्यात्मक बनाया गया है।
3. माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री और डॉ. नतालिया कनेम, यूएन अंडर-सेक्रेट्री - जनरल और यूएनएफपीए एक्सीक्यूटिव डायरेक्टर की 11 दिसंबर, 2018 को नई दिल्ली में बैठक हुई।
4. मंत्रालय ने 12-13 दिसंबर, 2018 के दौरान नई दिल्ली में मातृ नवजात एवं बाल स्वास्थ्य साझेदारी (पीएमएनसीएच), जेनेवा के साथ साझेदारी मंच, 2018 की मेज़बानी की। मंत्रालय ने प्रजनन, मातृ, नवजात, बाल और किशोर / किशोरी स्वास्थ्य के विषय पर भारत से नवाचार और सर्वोत्तम पद्धतियां प्रदर्शित करने के लिए साझेदारी मंच, 2018 के दौरान “मार्किट प्लेस” भी आयोजित किया गया। पीएमएनसीएच के साझेदारी मंच, 2018 के साथ-साथ माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री की निम्नलिखित द्विपक्षीय बैठकें भी आयोजित की गई थीं:

   (क) नई दिल्ली में 12 दिसंबर, 2018 को एच.ई. श्री अनस्स डौक्कली, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, मोरक्को।

   (ख) नई दिल्ली में 12 दिसंबर,2018 को एच.ई. श्री हसन गाज़ी जदेह हाशमी, माननीय स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री, इरान।

   (ग) 12 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में नेपाल के माननीय उप प्रधानमंत्री और स्वास्थ्य एवं जनसंख्या मंत्री महामहिम श्री उपेन्द्र यादव;

   (घ) 12 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में यमन के जन स्वास्थ्य और जनसंख्या उप-मंत्री महामहिम अब्दुल्ला मोहम्मद दहान अल-ज़ाबरी;

   (ङ) 13 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में मालद्वीव के माननीय स्वास्थ्य मंत्री महामहिम श्री अब्दुल्ला अमीन;

   (च) 13 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में एंटीगुआ और बारबुडा के माननीय स्वास्थ्य, कल्याण और पर्यावरण मंत्री महामहिम श्री मोल्विन मोरगोरसन जोसफ;

   (छ) 13 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में यूनिसैफ के उपकार्यकारी निदेशक श्री ओमर अब्दी; और

   (ज) 13 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में जन संख्या एवं विकास (पीपीडी) में भागीदारों के कार्यकारी निदेशक श्री अदनेन बेन हज आइसा।

5. सचिव (एचएफडब्ल्यू) और अपर सचिव (एडी), विदेश मंत्रालय (जापान में भारत के आगामी राजदूत के रूप में नियुक्त) के बीच 20 दिसम्बर, 2018 को नई दिल्ली में बैठक का आयोजन किया गया।

6. प्रजनन क्षमता परिचर्या की सुरक्षा एवं पहुँच के बारे में 5-6 दिसम्बर, 2018 को जिनेवा, स्वीटज़रलैंड में बैठक का आयोजन किया गया।

7. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) द्वारा विश्व एड्स दिवस के अवसर पर 1 दिसम्बर, 2018 को डॉ. अम्बेडकर अन्तरराष्ट्रीय केन्द्र, नई दिल्ली में एक विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्रीमती अनुप्रिया पटेल, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्यमंत्री, भारत सरकार इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थी।

8. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भारतीय राष्ट्रीय फेरीवाला ऐसोसिएशन के नेशनल स्ट्रीट फूड फेस्टिवल के 10वें एडशिन के साथ मिलकर 14-16 दिसम्बर, 2018 तक नई दिल्ली में प्रथम नेशनल ईट राइट मेले (एनईआरएम) का आयोजन किया।

9. आहार आपूर्ति में औद्योगिक रूप से उत्पादित ट्रांस फैट के उन्मूलन हेतु आह्वान करने के लिए एफएसएसएआई ने "हार्ट अटैक रिवाइंड" शीर्षक से मास मीडिया अभियान की शुरूआत की। 30 सेकेंड की यह जन सेवा उद्घोषणा (पीएसए) अपनी तरह का पहला मास मीडिया अभियान है, इससे वर्ष 2022 तक भारत में ट्रांस-फैट के उन्मूलन के एफएसएसएआई के व्यापक लक्ष्य को हासिल करने में सहायता मिलेगी।

10. दिसम्बर, 2018 से निक्षय ई-न्यूज शुरू कर दिया गया था।

11. 3 एमबीबीएस कॉलेजों की मान्यता के लिए अनुमति पत्र जारी किया गया।

12. विभिन्न कॉलेजों/संस्थानों में 4 स्नातकोत्तर (ब्रॉड स्पेशियलिटी) पाठ्यक्रमों को मान्यता देने संबंधी अधिसूचनाएं जारी कर दी गई हैं।

13. दंत चिकित्सक अधिनियम, 1948 की धारा 3 के खंड (ड.) के तहत निर्वाचित एक सदस्य के संबंध में भारतीय दंत चिकित्सा परिषद की सदस्यता हेतु अधिसूचना जारी कर दी गई है।

14. राष्ट्रीय दृष्टिहीनता नियंत्रण कार्यक्रम के तहत दिसम्बर, 2018 माह में, मोतियाबिंद के लगभग 6.37 लाख ऑपरेशन किए गए, स्कूली बच्चों को 88,817 नि:शुल्क चश्में वितरित किए गए तथा दान की गई 7,262 आंखें एकत्र की गई थीं।

15. मंत्रालय में अधिकारियों की कार्यक्षमता में वृद्धि करने के लिए हमने एनआईसी से अनुरोध किया था कि वह ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर में ऐसा प्रावधान करे जिससे फाइलों के निपटान में लिए गए औसत समय का पता लग सके। इस आधार पर "ऑफिसर ऑफ द मंथ" पुरस्कार शुरू किया गया था। इसका परिणाम बहुत ही सकारात्मक रहा है तथा पिछले तीन महीनों के दौरान फाइल के निपटन में लगने वाले समय में धीरे-धीरे कमी आई है। आंकड़ों का उपयोग करने हेतु यह एक अद्भुत मामला अध्ययन है जो कार्य की संस्कृति में सुधार लाने के लिए पहले से ही मौजूद था। विवरण के साथ एक अलग रिपोर्ट शीघ्र ही भेजी जाएगी।

******